SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY, CHUDELA, JHUNJHUNU RAJASTHAN

DEPARTMENT OF HINDI
INSTITUTE OF LANGUAGES
TEACHING AND EXAMINATION SCHEME
AND DETAILED SYLLABUS FOR

B.A. Year
ACADEMIC SESSION 2018 And Onwards

अनुक्रमणिका			
S. No.	**Subject Code**	**Subject Name**	**Page No.**
1	--	स्नातक प्रथम वर्ष – प्रथम सत्र	
2	--	स्नातक प्रथम वर्ष – द्वितीय सत्र	
3	**HHG-002**	सामान्य हिंदी	
4	**HHG-101**	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर– **I** विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "मध्यकालीन साहित्य – (ज्ञानमार्गी और प्रेममार्गी)"	
5	**HHG-102**	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर– **I** विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "मध्यकालीन साहित्य – (रामकाव्य और कृष्णकाव्य)"	
6	**HHG-201**	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर– **II** विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "उपन्यास एवं कथा साहित्य"	
7	**HHG-202**	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर– **II** विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "कथा साहित्य"	
8	**HHG-301**	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– **III** विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी व्याकरण और हिन्दी भाषा"	
9	**HHG-302**	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– **III** विषय–हिन्दी साहित्य – द्वितीय प्रष्न पत्र– "रीतिकालीन एवं आधुनिक हिन्दी काव्य"	
10	**HHG-401**	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– **IV** विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "गद्य साहित्य (निबन्ध)"	
11	**HHG-402**	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– **IV** विषय–हिन्दी साहित्य – द्वितीय प्रष्न पत्र– "गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी)"	
12	**HHG-501**	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– **V** विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास"	
13	**HHG-502**	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– **V** विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "हिन्दी काव्यशास्त्र"	
14	**HHG-601**	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– **VI** विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "प्रयोजनमूलक हिन्दी"	
15	**HHG-602**	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– **VI** विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "अनुवाद विज्ञान"	

स्नातक प्रथम वर्ष

S. No.	Subject Code	Subject Name	Hrs./Week			Exam Hrs.	Maximum & Minimum Marks		
			L	T	P		Internal/ Min. Pass Marks	External/ Min. Pass Marks	Total/Min. Pass Marks
1	HHG-002	सामान्य हिंदी	3	-	-	3	-	50/20	50/20
2	HHG-101	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर–I विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "मध्यकालीन साहित्य – (ज्ञानमार्गी और प्रेममार्गी)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
3	HHG-102	स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर–I विषय – हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "मध्यकालीन साहित्य – (रामकाव्य और कृष्णकाव्य)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
4	HHG-301	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– III विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी व्याकरण और हिन्दी भाषा"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
5	HHG-302	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– III विषय–हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "रीतिकालीन एवं आधुनिक हिन्दी काव्य"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
6	HHG-401	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– IV विषय–हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "गद्य साहित्य (निबन्ध)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
7	HHG-402	स्नातक द्वितीय वर्ष सेमेस्टर– IV विषय–हिन्दी साहित्य –द्वितीय प्रष्न पत्र– "गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी)"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
8	HHG-501	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– V विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "हिन्दी साहित्य का इतिहास"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
	HHG-502	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– V विषय – हिन्दी साहित्य – द्वितीय प्रष्न पत्र– "हिन्दी काव्यशास्त्र"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
	HHG-601	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– VI विषय – हिन्दी साहित्य –प्रथम प्रष्न पत्र– "प्रयोजनमूलक हिन्दी"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40
	HHG-602	स्नातक तृतीय वर्ष सेमेस्टर– VI विषय – हिन्दी साहित्य – द्वितीय प्रष्न पत्र– "अनुवाद विज्ञान"	6	-	-	3	30/12	70/28	100/40

L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical

1. For Internal Assessment (IA) of the theory papers: Two Mid-Term Tests of 15 Marks and assignment of 15 Marks.
2. Institute can arrange a third Mid-Term Test as per the convenience of the students.
3. The question paper shall contain ten (10) questions of 10 marks each. Student shall attempt any seven (7) questions.
4. Passing Rules for B.A. (3 Yr. Course)
   The result of a candidate will be worked out at the end of each Semester Examination.
   For a Pass, candidate must obtain marks for each theory.

(A)	Theory Paper	Passing%	(B)	Practical / Sessionals	Passing%
i	Internal Assessment	40 %	i	Practical (Internal)	40 %
ii	End Semester (B.A.) University Exam	40 %	ii	Practical (External)	40 %
iii	Total of (i) & (ii)	40 %	iii	Total of (i) & (ii)	40 %

स्नातक प्रथम वर्ष

सेमेस्टर– I

विषय–सामान्य हिन्दी

कोड सं. HHG-002

B.A./B.Com./B.Sc.

(L, T, P) = 3 (3+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**गद्य भाग – 16 अंक** 1. एक व्याख्या – 10 अंक 2. एक आलोचनात्मक प्रश्न – 6 अंक कहानी – बड़े घर की बेटी – प्रेमचन्द संस्मरण – प्रणाम – महादेवी वर्मा रेखाचित्र – बाईस वर्ष बाद – बनारसीदास विज्ञान – शनि सबसे सुंदर ग्रह – गुणाकर मूले निबंध – गेहूं और गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी निबंध – नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी निबंध – राष्ट्र का स्वरूप – वासुदेव शरण अग्रवाल निबंध – अदम्य जीवन – रांगेय राघव निबंध – हिन्दी हमारी मातृ भाषा है – मनहर चौहान निबंध – सूखे चहरों का भूगोल – मणि मधुकर निबंध – मजदूरी और प्रेम – सरदार पूरणसिंह निबंध – राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर – अगरचंद नाहटा व्यंग्य – ठिठुरता हुआ गणतंत्र – हरिशंकर परसाई	20
II	**पद्य भाग – 16 अंक** 1. एक व्याख्या – 10 अंक 2. एक आलोचनात्मक प्रश्न – 6 अंक नर हो न निराश करो मन को – मैथिलीशरण गुप्त साकेत (अष्टम् सर्ग से) – कैकेई का अनुताप – (तदनंतर बैठी सभा ..... सौ बार धन्य वह एक लाल की माई) – मैथिलीशरण गुप्त कामायनी – श्रद्धा सर्ग (कहा आगन्तुक ने सस्नेह ..... विजयिनी मानवता हो जाय) – जयशंकर प्रसाद जागो फिर एक बार (भाग दो) – निराला रश्मीरथी तृतीय सर्ग का आरम्भिक अंश (1. सच्चे शूरमा 2. सच है विपत्ति जब आती है ..... क्या कर सकती चिनगारी है) – दिनकर झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान पन्द्रह अगस्त – गिरिजा कुमार माथुर भटका मेघ – श्रीकान्त वर्मा शहीद की मां – रघुराज सिंह हाड़ा कबीर – 1. मन रे जागत रहियो, भाई! 2. काजी कौन कतेब बखानै 3. हे मन भजन कौ प्रमाण। सूरदास – 1. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत, 2. देखू माई सुंदरता कौ सागर। 3. जसोदा बार बार यौं भाखै 4. चित दै सुनौ श्याम प्रवीण। तुलसीदास – 1. मोहि मूढ़ मन बहुत वियोगो। 2. ऐसौ को उदार जग मांहि। 3. मन पछतै हैं अवसर बीते। रहीम (पद) – 1. कमल दल नैननि की उनमानि। 2. छवि भावन मोहन लाल	20

	की। (दोहा) 1. बसी कुसंग चाहत कुसल 2. रहिमन औछे नरन सौ बैर भलो न प्रीत। 3. रहिमन निज मन की बिथा। 4. खैर, खून, खाँसी, खुशी। 5. पावस देख रहीम मन कोयल साधै मौन। पदमाकर (कवित्त)– 1. कूलन में कैलिन में कछाचरन में चितयै चितयै चारों और चौंकि चौंकि परऐ त्यों हि। (सवैया)– 1. या अनुराग की लखौ जहँ 2. फाग के भीर अभीरन में गहि गोविंद लै गई भीतर गोरी।	
III	**व्याकरण खण्ड** **18 अंक** 1. निबंध लेखन – शब्द सीमा 300 शब्द 6 अंक 2. कार्यालयी लेख– शासकीय, अर्द्ध शासकीय पत्र, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन, विज्ञप्ति, कार्यालय आदेश, 2*2= 4 अंक 3. शब्द निर्माण की प्रविधि– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास 1*2= 2 अंक 4. वाक्य–शुद्धि, शब्द–शुद्धि 1*2= 2 अंक 5. मुहावरे 2 अंक 6. व्याकरिणक काटियाँ– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया–विशेषण 2 अंक	20
	Total	60

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 50**

बी. ए. प्रथम सत्र का सामान्य हिन्दी का यह प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। पूर्णांक 50 होगा।

संदर्भ ग्रंथ–

1. निबंधावली
2. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद
3. पत्र लेखन – अनिल सिंह
4. कबीर ग्रंथावली– श्यामसुंदर दास
5. विनय पत्रिका – गीता प्रेस गोरखपुर
6. रहीम ग्रंथावली – विद्यानिवास मिश्र
7. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त
8. कामायनी – जयशंकर प्रसाद
9. रश्मीरथी – पंतजी, दिनकर।
10. हिन्दी काव्य संग्रह, संपादक– हेमराज मीणा, मीरा सरीन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

स्नातक प्रथम वर्ष

सेमेस्टर– I[st]

विषय–हिन्दी साहित्य

–प्रथम प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-101

"मध्यकालीन साहित्य – (ज्ञानमार्गी और प्रेममार्गी)"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. कबीर का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व– सामान्य परिचय 2. कबीर की काव्यगत विशेषताएं 3. कबीर के पद – 1 से 8 (हिन्दी काव्य संग्रह से) साखी – 1 से 15 (हिन्दी काव्य संग्रह से)	60
II	1. जायसी का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व– सामान्य परिचय 2. जायसी की काव्यगत विशेषताएं 3. नागमती वियोग खण्ड– (प्रथम 15 पद जायसी ग्रंथावली/हिन्दी काव्य संग्रह)	60
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. प्रथम सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी काव्य संग्रह, संपादक– हेमराज मीणा, मीरा सरीन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी – डॉ. विजयदेव नारायण साही
4. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
5. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – डॉ. श्यामसुंदर शुक्ल
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
7. कबीर वाङमय : सबद,साखी,रमैनी – डॉ. जयदेवसिंह, डॉ. वासुदेवसिंह
8. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. पदमावत – वासुदेव शरण अग्रवाल
10. जायसी ग्रंथावली – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
12. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

स्नातक प्रथम वर्ष

सेमेस्टर– I

विषय – हिन्दी साहित्य

–द्वितीय प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-102

"मध्यकालीन साहित्य – (रामकाव्य और कृष्णकाव्य)"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व– सामान्य परिचय 2. तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएं 3. भरत महिमा (हिन्दी काव्य संग्रह)	60
II	1. मीरां, रसखान एवं सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व– सामान्य परिचय 2. मीरां एवं रसखान की काव्यगत विशेषताएं 3. मीरां के पद (1 से 11 हिन्दी काव्य संग्रह) 4. रसखान के सवैया (1 से 13 सवैया हिन्दी काव्य संग्रह) 5. सूरदास – विनय के पद– प्रथम 5 पद (हिन्दी काव्य संग्रह) भ्रमरगीत 6–13 पद (हिन्दी काव्य संग्रह)	60
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. प्रथम सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी काव्य संग्रह, संपादक – हेमराज मीणा, मीरा सरीन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय।
4. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचंद्र तिवारी।
5. रामचरितमानस – गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
6. मीरापदावली– डॉ. शम्भूसिंह मनोहर।
7. सूरसागर– सूरदास।
8. उत्तर भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी।
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
10. भ्रमरगीतसार – सं0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
11. रसखान रचनावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक प्रथम वर्ष

सेमेस्टर– II

विषय – हिन्दी साहित्य

–प्रथम प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-201

"उपन्यास एवं कथा साहित्य"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. उपन्यास विधा का संक्षिप्त इतिहास 2. महाभोज उपन्यास का कथासार 3. महाभोज उपन्यास में राजनीतिक यथार्थ 4. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर महाभोज की समीक्षा	60
II	1. कहानी विधा का संक्षिप्त इतिहास निम्नांकित कहानियों की कहानी तत्त्वों के आधार पर समीक्षा– **चयनित कहानियाँ–** 1. गुल्ली डंडा– प्रेमचंद 2. कफन – प्रेमचंद 3. सौत – प्रेमचंद 4. पूस की रात– प्रेमचंद 5. ममता– जयशंकर प्रसाद	60
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. द्वितीय सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. उपन्यास महाभोज, मन्नु भण्डारी
2. कथा संचय कहानियाँ (1–07) संपादक– डॉ. दुर्गाप्रसाद, समालोचक पत्र– जयपुर
3. 20वीं सदी की हिन्दी कहानियाँ, भाग–1 एवं 5, संपादक– महेश दर्पण, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक प्रथम वर्ष

सेमेस्टर– II

विषय – हिन्दी साहित्य

–द्वितीय प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-202

"कथा साहित्य"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**चयनित कहानियां –** 1. सेव और देव– अज्ञेय 2. परदा– यशपाल 3. पंचलाइट– फणीश्वर नाथ रेणु 4. पाजेब– जैनेन्द्रकुमार 5. ईनाम– जैनेन्द्र कुमार 6. खेल– जैनेन्द्र कुमार	60
II	**चयनित कहानियां –** 1. परमात्मा का कुत्ता– मोहन राकेश 2. उसने कहा था– पंडित चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' 3. परिन्दे– निर्मल वर्मा 4. वापसी – उषा प्रियम्वदा 5. नन्हो – शिवप्रवाद सिंह	60
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. द्वितीय सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. कथा संचय कहानियां (1–07) संपादक– डॉ. दुर्गाप्रसाद, समालोचक पत्र– जयपुर
2. 20वीं सदी की हिन्दी कहानियाँ, भाग–1 एवं 5, संपादक– महेश दर्पण, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

स्नातक द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर–III

विषय– हिन्दी साहित्य

–प्रथम प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-301

"हिन्दी व्याकरण और हिन्दी भाषा"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	व्याकरण–संज्ञा, सर्वनाम, कारक, पर्यायवाची, विलोमशब्द, समुच्चारित भिन्नार्थक शब्द, मुहावरें, लोकोक्तियाँ।	30
II	देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र।	30
III	काव्य संचय – निम्नलिखित कवियों की चयनित कवितायें : मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि, आगे बढ़ो ! ऊँचे चढ़ो !, जयशंकर प्रसाद – भारत महिमा, प्रयाण–गीत सुमित्रानंदन पंत – भारत माता, द्रुत झरों निराला – वह तोड़ती पत्थर रामधारी सिंह दिनकर – जनतंत्र का जन्म सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – हिरोशिमा सुधीन्द्र – कोकिल, राजस्थान–वन्दना गिरिजा कुमार माथुर – पन्द्रह अगस्त।	30
IV	गद्य संग्रह – निम्नलिखित लेखकों की चयनित रचनायें– प्रेमचन्द– आत्माराम (कहानी) डॉ. रामचरण महेन्द्र– राष्ट्र मंदिर का सुवासित पुष्प : केसरीसिंह बारहठ (जीवनी) महादेवी वर्मा– बहिन सुभद्रा (रेखाचित्र) जैनेन्द्र कुमार– साधना के कवि (संस्मरण) हरिकृष्ण प्रेमी– राखी (एकांकी) हरिशंकर परसाई– मूल्यों का उलटफेर (व्यंग्य) जवाहरलाल नेहरु– इतिहास से शिक्षा (पत्र साहित्य) विद्यानिवास मिश्र– हल्दी–दूब और दधि, अच्छत (ललित निबन्ध) अगरचन्द नाहटा– राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर (सांस्कृतिक निबन्ध)	30
	Total	120

परीक्षावधि : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. तृतीय सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. काव्य संचय, सम्पादक– डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, अजमेर
2. गद्य संग्रह, सम्पादक– डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, अलका पब्लिकेशन, अजमेर
3. हिन्दी व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना, डॉ. राघव प्रकाश, पिंकसिटी पब्लिकेशन, जयपुर

स्नातक द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर– **III**

विषय – हिन्दी साहित्य

–द्वितीय प्रष्न पत्र–

कोड सं. **HHG-302**

"रीतिकालीन एवं आधुनिक हिन्दी काव्य"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. वीरसतसई (सूर्यमल्ल मीसण) प्रथम 20 दोहे 2. बिहारी (हिन्दी काव्य संग्रह से दोहा संख्या 1, 3, 10, 11, 14, 16, 22, 27, 29, 32)।	30
II	1. अज्ञेय– असाध्य वीणा (आँगन के पार द्वार से) 2. मैथिलीशरण गुप्त– सखी, बसंत से कहाँ गए वे?, सखी वे मुझ से कहकर जाते।	30
III	1. जयशंकर प्रसाद– चिंता (हिन्दी काव्य संग्रह से) 2. जयशंकर प्रसाद– मधुमय देश (हिन्दी काव्य संग्रह से)।	30
IV	1. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– जुही की कली, भिक्षुक, बादल राग 2. महादेवी वर्मा– मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल।	30
	Total	120

परीक्षावधि : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. तृतीय सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन व्याख्या (प्रत्येक 10 अंक) = 30 अंक तथा चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) = 40 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक व्याख्या (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

व्याख्या और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी काव्य संग्रह–संपादक हेमराज मीणा, मीरा सरीन
2. वीर सतसई– सूर्यमल्ल मीसण, संपादक– डॉ. कन्हैयालाल सहल, ईश्वरदान आसिया, पतराम गौड़, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. आंगन के पार द्वार– अज्ञेय
4. आधुनिक काव्य संचयन– संपादक डॉ. शकुन्तला तँवर, एस.के पब्लिशर्स एण्ड डिसट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

स्नातक द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर–IV
विषय– हिन्दी साहित्य
–प्रथम प्रष्न पत्र–
कोड सं. HHG-401
"गद्य साहित्य (निबन्ध)"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	निबंध विद्या का संक्षिप्त इतिहास हिन्दी के प्रमुख गद्य साहित्यकारों का परिचय व गद्य लेखन क्षमता का विकास।	30
II	1. चयनित निबंध – बालमुकुन्द गुप्त बनाम लॉर्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त 2. श्रद्धा–भक्ति – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	30
III	1. अशोक के फूल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 2. चेतना का संस्कार – अज्ञेय	30
IV	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – डॉ. विद्यानिवास मिश्र नाटक, एकांकी व निबंध साहित्य लेखन तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन – डॉ नगेन्द्र	30
	Total	120

परीक्षा अवधिः 3 घण्टा **पूर्णांक : 100**

बी. ए. चतुर्थ सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–
इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–
इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–
इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. ध्रुवस्वामिनी – जयषंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. धरोहर– संपादक – डॉ. रामचरण महेन्द्र, बुकलैण्ड पब्लिशर्स, लालजी सांड का रास्ता, जयपुर
3. चेतना के संस्कार – संपादक – विष्वनाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेन्द्र।
5. चिन्तामणि – आचार्य रामचंद्र षुक्ल।

स्नातक द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर– **IV**

विषय – हिन्दी साहित्य

–द्वितीय प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-402

"गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी)"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	नाटक विद्या का संक्षिप्त इतिहास। प्रमुख नाटक लेखकों का परिचय।	30
II	ध्रुवस्वामिनी (नाटक)– जयषंकर प्रसाद। प्रमुख गद्य षैलियों का परिचय।	30
III	1. एकांकी विद्या का संक्षिप्त इतिहास। 2. प्रमुख एकांकी लेखकों का परिचय।	30
IV	चयनित एकांकियाँ– (क) दीपदान– डॉ. रामकुमार वर्मा। (ख) धरोहर– सेठ गोविन्द दास। (ग) हरितगन्धा– हमीदुल्ला।	30
	Total	120

परीक्षा अवधिः 3 घण्टा **पूर्णांक : 100**

बी. ए. चतुर्थ सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. ध्रुवस्वामिनी – जयषंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. धरोहर– संपादक– डॉ. रामचरण महेन्द्र, बुकलैण्ड पब्लिशर्स, लालजी सांड का रास्ता, जयपुर
3. चेतना के संस्कार – संपादक – विष्वनाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
   हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेन्द्र।

स्नातक तृतीय वर्ष

सेमेस्टर– V

विषय – हिन्दी साहित्य

–प्रथम प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-501

"हिन्दी साहित्य का इतिहास"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास– आदिकाल– प्रथम कवि, प्रथम रचना, सीमांकन, नामकरण की समस्या, सामान्य प्रवृत्तियाँ, वर्गीकरण– सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य।	30
II	भक्तिकाल – प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ। भक्तिकाल – विविध धाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।	30
III	रीतिकाल– प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ। रीतिकाल– विविध धाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।	30
IV	आधुनिक काल– प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ आधुनिक काल में हिन्दी साहित्य का विकास– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता आदि की सामान्य विशेषतायें।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. पंचम सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– संपादक डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैग्स, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव एवं विकास– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. नई कविता स्वरूप एवं समस्यायें– डॉ. जगदीश गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा।

स्नातक तृतीय वर्ष

सेमेस्टर– V

विषय – हिन्दी साहित्य

–द्वितीय प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-502

"हिन्दी काव्यशास्त्र"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	**काव्य के लक्षण, हेतु, प्रयोजन,** **काव्य के प्रकार**– प्रबन्ध एवं मुक्तक काव्य, खण्डकाव्य एवं महाकाव्य।	30
II	**काव्य गुण –** **काव्य दोष–** (श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अप्रतीत्व, क्लिष्टत्व, अक्रमत्व तथा दुष्क्रमत्व)।	30
III	**(अ) शब्द शक्तियाँ।** **(ब) रस एवं रसावयव।**	30
IV	**अलंकार–** अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, असंगति, संदेह, भ्रांतिमान, विरोधाभाष, मानवीकरण, वैण–सगाई।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. पंचम सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक) **= कुल 15 अंक।**

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी काव्य सिद्धान्त – रामबाबू ज्योति, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
2. काव्यशास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल, हिन्दी भवन प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र – निशा अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य शास्त्र – डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ. गौवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद।
   हिन्दी रूप रचना भाग 1 और 2 – आचार्य जयेन्द्र त्रिवेदी।

स्नातक तृतीय वर्ष

सेमेस्टर– **VI**

विषय – हिन्दी साहित्य

–प्रथम प्रष्न पत्र–

कोड सं. HHG-601

"प्रयोजनमूलक हिन्दी"

(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	**विषय सूची**	घण्टे
I	1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– आवश्यकता और स्वरूप। 2. प्रयोजन मूलक हिन्दी की विशेषताएँ।	30
II	प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र। राजभाषा हिन्दी– स्वरूप तथा संविधान में हिन्दी।	30
III	पत्र–लेखन की विशेषताएँ। पत्र–लेखन के निर्देश एवं पत्र के अंग।	30
IV	व्यावसायिक और सामाजिक पत्र। सरकारी पत्र का ढांचा तथा सरकारी पत्र की विशेषताएँ।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. षष्ठम् सत्र का प्रथम प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)

= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी : सृजन और समीक्षा, डॉ. रामलखन मीणा।
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली– डॉ. मधु धवन।
4. प्रयोजन मूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी।
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी – डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी।
6. राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम – डॉ. मलिक मोहम्मद।

स्नातक तृतीय वर्ष
सेमेस्टर– VI
विषय – हिन्दी साहित्य
–द्वितीय प्रष्न पत्र–
कोड सं. HHG-602
"अनुवाद विज्ञान"
(L, T, P) = 6 (6+0+0)

इकाई	विषय सूची	घण्टे
I	1. अनुवाद– अर्थ एवं स्वरूप। 2. अनुवाद के प्रकार।	30
II	1. अनुवाद की प्रक्रिया। 2. अनुवाद की समस्या। 3. अनुवादक के गुण।	30
III	पारिभाषिक शब्दावली– परिभाषा और आवश्यकता। पारिभाषिक शब्दावली का महत्व।	30
IV	पारिभाषिक शब्दावली के गुण। पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की प्रविधि और प्रक्रिया।	30
	Total	120

परीक्षा अवधि : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

बी. ए. षष्ठम् सत्र का द्वितीय प्रष्न पत्र 3.00 घण्टे समयावधि का होगा। जो 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 70 अंक बाह्यात्मक मूल्यांकन में विभाजित रहेगा। पूर्णांक 100 होगा।

बाह्यात्मक मूल्यांकन (70 अंक)–

इसमें तीन आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) = 60 अंक तथा दो टिप्पणियां (प्रत्येक 5 अंक) = 10 अंक, **कुल 70 अंक।**

आन्तरिक मूल्यांकन (दो मिड टर्म एवं एक असाइनमेंट)–

इसमें अधिकतम अंक वाला एक मिड टर्म लिया जाएगा, जो 15 अंक का होगा तथा एक असाइनमेंट 15 अंक का होगा (कुल 30 अंक होंगे)। मिड टर्म का अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा–

इसमें एक टिप्पणी (5 अंक) तथा दो आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक = 10 अंक)
= कुल 15 अंक।

टिप्पणी और प्रष्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है। सभी प्रष्नों के आन्तरिक विकल्प देय होंगे।

संदर्भ ग्रंथ–

1. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद– स्वरूप एवं समस्याएँ, सुरेश सिंहल।
अनुवाद विज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी।